



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 264]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 27, 1979/आषाढ़ 6, 1901

No. 264]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 27, 1979/ASADHA 6, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 27 जून, 1979

आदेश

प्रतः प्रब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की भाग 18 खख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त आदेश की अधि 26 जून, 1980 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, बढाती है।

[का० सं० 2/24/78-सी० यू०सी०]

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 27th June, 1979

## ORDER

का० प्रा० 370 (घ).--18एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/78.--  
भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का 411 (ई०)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/78 तारीख 27 जून, 1978 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 खख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापकों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों का (उनमें भिन्न, जो वहाँ की और जिनकी संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बन्धित है) जिनका ससर् इन्हेक टायर्स लिमिटेड कलकत्ता या ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षधार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हो, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निश्चित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन पोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी अधिकार, विशेष अधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निश्चित रहेंगे।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अधि 26 जून, 1980 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी जाती जायिये।

306 GI/79

S.O. 370(E)—18FB/IDRA/78.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. 411(E)/18FB/IDRA/78 dated the 27th June, 1978, the Central Government made a declaration in respect of M/s. Inchek Tyres Ltd., Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) under clause (b) of Sub-section (1) of Section 18FB of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of publication of the aforesaid Order in the Official Gazette (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owing such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all rights, privileges, obligations and liabilities, accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

(647)

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year upto and inclusive of 26th June, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 18FB of the said Act, the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of 26th June, 1980.

[No. 2/24/76-CUC]

### आदेश

का० प्रा० 371(अ).—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० प्रा० 60(अ) तारीख 2 फरवरी, 1978 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त आदेश में,—

(क) “अध्यक्ष” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में, सब 1 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“श्री आई० एम० सहाय,  
संयुक्त सचिव,  
वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय,  
(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग),  
नई दिल्ली”

(ख) “सदस्य” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में, (i) सब 2 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“मुख्य निदेशक,  
बनस्पति,  
बनस्पति तेल और बसा निवेशालय,  
नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग,  
नई दिल्ली”

(ii) सब 5 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“लेखा निबंधक,  
वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय,  
नई दिल्ली”

(iii) सब 11 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“12. सरदार बन्धन सिंह,  
अतिरिक्त निदेशक, खाद्य एवं आपूर्ति,  
पंजाब सरकार,  
लुडियाना।

13. श्री गणेश शंकर चौधरी,  
क्षेत्रीय खाद्य नियंत्रक,  
इलाहाबाद क्षेत्र,  
कानपुर।

14. श्री एन० अग्रवाल,  
महाप्रबंधक (आपूर्ति),  
चंडीगढ़ संकल,  
भारतीय स्टेट बैंक।”

[का० सं० 4(12)/72-सी० यू०सी०]

### ORDER

S.O. 371(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section 1 of section 18 AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendments in the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 60(E), dated the 2nd February, 1978, namely:—

In the said Order:—

(a) in paragraph 2 under the heading “Chairman”, for item 1 and entry relating thereto, the following shall be substituted namely:—

“Shri I. M. Sahai,  
Joint Secretary,  
Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation  
(Department of Civil Supplies and Cooperation),  
New Delhi.”

(b) in paragraph 2 under the heading “Members”:—

(i) for item 2 and entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“Chief Director,  
Directorate of Vanaspathi, Vegetable Oils & Fats,  
Department of Civil Supplies and Cooperation, New Delhi.”

(ii) for item 5 and entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“Controller of Accounts,  
Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation,  
New Delhi.”

(iii) after item 11 and the entry relating thereto the following shall be added, namely:—

“12. Sardar Chandan Singh, Additional Director of Food and Supplies, Government of Punjab, Chandigarh.

13. Shri Ganesh Shankar Choudhary, Regional Food Controller, Allahabad Region, Kanpur.

13. Shri N. Agrawal, General Manager (Operations), Chandigarh Circle, State Bank of India.”

[F. No. 4/12/72-CUC]

### आदेश

का० प्रा० 372(अ).—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा 1 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० प्रा० 454 (अ) तारीख 18 जुलाई, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त आदेश में:—

(क) “अध्यक्ष” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में सब 1 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“श्री आई० एम० सहाय,  
संयुक्त सचिव,  
वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय,  
(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग),  
नई दिल्ली”

(ख) “सदस्य” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में:—

(i) सब 2 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित

रखा जाएगा; अर्थात्:—

“मुख्य निदेशक

वनस्पति, वनस्पति तेल और घसा निदेशालय,

नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग,

नई दिल्ली”;

(ii) मद 5 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित  
रखा जाएगा; अर्थात्:—

“निष्ठा नियंत्रक,

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय,

नई दिल्ली”;

(iii) मद 11 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित  
जोड़ा जाएगा; अर्थात्

12. सरदार चन्दन सिंह,  
प्रतिरिक्त निदेशक खाद्य एवं आपूर्ति,  
पंजाब सरकार, चंडीगढ़
13. श्री गणेश शंकर चौधरी,  
क्षेत्रीय खाद्य नियंत्रक,  
इलाहाबाद क्षेत्र, कानपुर
14. श्री एन० अग्रवाल,  
सहाय्यक (आपरेसन),  
चंडीगढ़ मंडल  
भारतीय स्टेट बैंक।

[फा० सं० 4(6) 74-सो०यू०सी०]

प्रार०एन० चोपड़ा संयुक्त सचिव

#### ORDER

S.O. 372(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section 1 of section 18AA of the Industries (Development

and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 454(E) dated the 18th July, 1978, namely :—

In the said Order :—

(a) in paragraph 2 under the heading “Chairman”, for item 1 and entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“Shri I. M. Sahai, Joint Secretary, Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation, (Department of Civil Supplies and Cooperation), New Delhi”;

(b) in paragraph 2 under the heading “Members”

(i) for item 2 and entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“Chief Director, Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils and Fats, Department of Civil Supplies and Cooperation, New Delhi.”

(ii) for item 5 and entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“Controller of Accounts, Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation, New Delhi.”

(iii) after item 11 and the entry relating thereto, the following shall be added, namely :—

12. Sardar Chandan Singh, Additional Director of Food and Supplies, Government of Punjab, Chandigarh.

13. Shri Ganesha Shanker Choudhary, Regional Food Controller, Allahabad Region, Kanpur.

14. Shri N. Agarwal, General Manager (Operations), Chandigarh Circle, State Bank of India.”

[F. No. 4/6/74-CUC]

R. N. CHOPRA, Jt. Secy.

